निष्कर्ष

मलिन बस्ती के किशोरियों की अस्मिता को जानने के लिए कुछ महत्वपूर्ण पहलुओं का अध्ययन किया गया। जिसमें मात्रात्मक विश्लेषण के अंतर्गत यह पाया गया कि स्वयं के प्रत्यक्षण (खुद को जैसा देख रहीं है और जैसा देखना चाहती हैं) के संबंध में मलिन एवं गैर-मलिन बस्ती की किशोरियाँ समान विचार रखती है। परंतु क्षेत्र के आधार पर जब उनसे स्वयं के प्रत्यक्षण को प्रभावित करने वाले कारण (खुद को जैसा देख रही है और जैसा देखना चाहती हैं, में अंतर के कारण) को पूछा गया तो मलिन बस्ती की किशोरियों ने इसका कारण परिस्थिति को माना। इसीप्रकार क्षेत्र एवं आयु के आधार पर मलिन बस्ती की 12-14 वर्ष की किशोरियाँ जहाँ परिस्थिति एवं खराब भाग्य को अन्तर का कारण मानती हैं, जबकि मलिन बस्ती और गैर-मलिन बस्ती की 15-17 वर्ष की किशोरियाँ सिर्फ परिस्थिति को अन्तर का कारण मानती है।

इसीप्रकार गुणात्मक विश्लेषण में जब किशोरियों से उनके संबंध में कुछ प्रश्न पूछा गया तो मलिन एवं गैर-मलिन बस्ती की किशोरियों द्वारा निम्नलिखित निष्कर्ष प्राप्त हुए, जो इस प्रकार से है-

- स्वयं के संबंध में महत्वपूर्ण बात पूछे जाने पर मलिन बस्ती की किशोरियाँ शिक्षा के अभाव तथा अपने लक्ष्य को न प्राप्त कर पाने को अपने जीवन में सबसे महत्वपूर्ण मानती हैं। जबकि गैर-मलिन बस्ती की किशोरियाँ अपनी रुचि को व्यक्त करते हुए बड़ों का आदर सम्मान करना व डांस करने को महत्वपूर्ण मानती हैं।
- किशोरियों से उनकी कमियों के संबंध मे पूछा गया तो मलिन बस्ती की किशोरियों ने जहां स्वास्थ्य को प्रमुखता से बताया वहीं गैर-मलिन बस्ती की किशोरियों ने पढ़ाई के प्रति अरुचि को बताया।
- जेंडर और अस्मिता के प्रश्न पर मलिन एवं गैर-मलिन बस्ती की किशोरियों ने समान विचार को व्यक्त किया कि लड़के और लड़कियों में भेदभाव किया जाता हैं।
- सामाजिक-आर्थिक पृष्ठभूमि और अस्मिता के प्रश्न पर भी मलिन एवं गैर-मलिन बस्ती की किशोरियाँ समान विचार रखती हैं कि सामाजिक-आर्थिक पृष्ठभूमि अच्छी हो तो शिक्षा के अवसर तथा अन्य कई अवसर प्राप्त होंगे।

➢ आवासीय पृष्ठभूमि और अस्मिता के प्रश्न पर मलिन बस्ती की किशोरियाँ कालोनी के घरों में जहाँ अच्छे बदलाव की और संकेत करती है, वहीं गैर-मलिन बस्ती की किशोरियाँ, मलिन बस्ती के घरों में परेशानियों की ओर संकेत करती हैं।

➢ सामाजिक पूर्वाग्रह और अस्मिता के प्रश्न पर मलिन बस्ती एवं गैर-मलिन बस्ती की किशोरियाँ समान विचार रखती हैं कि बस्ती में लड़के और लड़कियों में ज्यादा भेदभाव होता हैं कालोनियों की अपेक्षाकृत।

➢ शिक्षा और अस्मिता के प्रश्न पर मलिन एवं गैर-मलिन बस्ती की किशोरियों ने समान रूप से अपनी पहचान के निर्माण में शिक्षा को महत्वपूर्ण बताया।

➢ शिक्षण संस्थान का मलिन एवं गैर-मलिन बस्ती की किशोरियों की जीवन शैली पर प्रभाव के प्रश्न में मलिन बस्ती एवं गैर-मलिन बस्ती की किशोरियों के विचारों में समानता है कि दोनों कि जीवन शैली में बहुत अंतर होगा।

➢ परिवार की स्थिति को बेहतर बनाने में सहयोग के प्रश्न में मलिन एवं गैर-मलिन बस्ती की किशोरियों ने समान विचार को व्यक्त किया कि परिवार कि आर्थिक स्थिति को बेहतर बनाने के लिए हम बचत करते हैं।

➢ वर्तमान जीवन में आने वाली मुश्किलें और अस्मिता के प्रश्न में मलिन एवं गैर-मलिन बस्ती की किशोरियों ने समान विचार को व्यक्त किया करते हुए कहा की भौतिक संसाधन को सबसे बड़ी समस्या माना।

➢ आदर्श व्यवहार और अस्मिता के प्रश्न में मलिन बस्ती एवं गैर-मलिन बस्ती की किशोरियों के विचारों में समानता है कि समाज में अपनी पहचान बनाने के लिए सबसे अच्छे से बात व व्यवहार करेंगे।

➢ समाज में भावी भूमिका और अस्मिता के प्रश्न में मलिन एवं गैर-मलिन बस्ती की किशोरियों ने समान विचार को व्यक्त किया कि समाज में हमारी अच्छी और महत्वपूर्ण भूमिका होनी चाहिए।

शोध सीमा

➢ प्रस्तुत शोध वाराणसी जिले के मलिन एवं गैर-मलिन बस्ती के किशोरियों पर ही आधारित है।

➢ प्रस्तुत शोध में मलिन बस्ती के किशोरियों की सिर्फ अस्मिता का ही अध्ययन किया गया है।

➢ शोध में प्रतिदर्शों की सीमित संख्या के कारण अध्ययन के परिणामों का सामान्यीकरण संभव नहीं हैं।